#### ShrI Shridhara Stuti



# Document Information

Text title : ShrI Shridhara Stuti
File name : shrIdharastutiH.itx
Category : deities\_misc, gurudev

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : V. P. Bhat, Sirsi

Description/comments : Stotra praising Sadguru Shridharaswami

Latest update: November 3, 2022

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

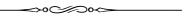
This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

#### Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

November 3, 2022

sanskritdocuments.org



#### ShrI Shridhara Stuti

## श्री श्रीधरस्तुतिः



आदि नारायणं विष्णुं ब्रह्माणं च वसिष्ठकम् । श्रीरामं मारुतिं वन्दे रामदासं च श्रीधरम् ॥ १॥ नमः शान्ताय दिव्याय सत्यधर्मस्वरूपिणे । स्वानन्दामृततृप्ताय श्रीधराय नमो नमः ॥ २॥ श्रीधरं परमानन्दं लोकानुग्रहकारकम् । भक्तहृत्पद्मखमणिं गुरुराजं नमाम्यहम् ॥ ३॥ वन्दारुजनमन्दारं यतिवृन्दशिखामणिम् । ब्रह्मविष्णुशिवाभिन्नं गुरुराजं नामाम्यहम् ॥ ४॥ वर्तमानाघविध्वंसकारिणं भावि पुण्यदम् । पूर्वपुण्यफलादृष्टं गुरुराजं नमाम्यहम् ॥ ५॥ सिचदानन्ददुग्धाब्धिं निजसत्यहितोक्तिभिः। लोपयन्तं हृदज्ञानं गुरुराजं नमाम्यहम् ॥ ६॥ भो गुरो ! मन्मनो भृङ्गः त्वत्पदाङ्गे निलीयते । त्वदुक्ति मकरन्देन पोषय श्रीधरप्रभो ॥ ७॥ इति श्री श्रीधरस्तुतिः समाप्ता । श्री सद्गुरु श्रीधरार्पणमस्तु ।

**→**○((())○(**<** 

ShrI Shridhara Stuti
pdf was typeset on November 3, 2022

### श्री श्रीधरस्तुतिः

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

